Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to provide funds for the Krishna-Bhima stabilisation project in Maharashtra-laid.

श्री रंजीतसिन्हा हिंदूराव नाईक निम्बालकर (**माधा**): पश्चिम महाराष्ट्र के लगभग 22 जिले अधिकांशत: सूखाग्रस्त रहते हैं । कृष्णा घाटी में होनी वाली मूसलाधार वर्षा, जिसके कारण आधा कर्णाटक डूब जाता है, का अतिरिक्त पानी यदि पश्चिम महाराष्ट्र के इन सूखा ग्रस्त इलाकों को उपलब्ध करवा दिया जाए तो जहां एक ओर पश्चिम महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्र के लोगों और खेतों की प्यास बुझ पाएगी, वहीं दूसरी ओर कर्णाटक के अधिकांश इलाके हर साल आने वाली भीषण बाढ़ की तबाही से बच जाएंगे । इस परियोजना के पूरा हो जाने पर जहां पश्चिम महाराष्ट्र को 110 टीएमसी पानी उपलब्ध होगा वहीं दूसरी ओर कर्णाटक में हर साल बाढ़ के कारण होने वाले नुकसान से भी बचा जा सकेगा । इस बांध से महाराष्ट्र के सोलापुर, पंढरपुर, अक्कलकोट, सांगोला, मंगलवेद जैसे छोटे और बड़े शहरों को पीने के पानी की समस्या से भी छुटकारा मिल जाएगा । इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए लगभग 12 साल पहले पहले कृष्णा भीमा स्थिरीकरण परियोजना की परिकल्पना की गई

अत: अनुरोध है महाराष्ट्र सरकार से इस परियोजना की पूर्व व्यवहार्यता रिपोर्ट पर आगे कार्यवाही करवाने तथा इस परियोजना को नेशनल पर्सपेक्टिव प्लान में शामिल करवाकर इस परियोजना के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध करवाने का की कृपा करें ताकि इस परियोजना पर शीघ्रातिशीघ्र काम शुरू हो सके ।